मांग की गई है और क्या इसमें केन्द्रीय सरकार का भी कुछ हिस्सा है ? अगर है तो कितना कितना होगा ?

श्री राज बहादुर : उसका कुल खर्च, जैसा कि बताया गया है, १.२५ लाख होगा। मगर इसमें ३,००० पौंड जो है वह सुपरविजन आफ़ आफिसर्स" वगैरा के सम्बन्ध में आता है। यही शायद कोलम्बो प्लान के अधीन खर्च है जो बाहर से मिलेगा—ऐसी आशा की जा सकती है।

श्री नवाब सिंह चौहान : इसमें जो रेडियो ऐक्टिव आर्टिफिशियल सिल्ट बनाने का काम हाइड्रालिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, बैहारल को दिया जा रहा है—चूंकि इस सम्बन्ध में प्रयोग का कार्य सन् १९५९ के जनवरी, मार्च में शुरू किया जायगा—तो क्या वहां कुछ कार्य शुरू भी कर दिया गया है या नहीं, और अगर हां, तो उसमें क्या प्रगति हुई है ?

श्री राज बहादुर : इस समय तक की प्रगति मैं नहीं बता सकता। लेकिन यह निश्चित हो चुका है कि उसको यह काम दिया जाय और उसके साथ हमारे जो अधिकारी—आफिसर्स—है एटामिक इनर्जी विभाग के, वे भी शामिल होंगे।

श्री नवाबसिंह चौहन : क्या आपके एटामिक विभाग ने जो बम्बई में है उसके अधिकारियों ने—इस काम को करने की कहीं ट्रेनिंग ली है और अगर नहीं ली है तो क्या आप उम्मीद रखते हैं कि वे ठीक ढंग से काम कर सकेंगे ?

श्री राज बहादुर : ट्राम्बे का जो एटामिक इनर्जी इस्टेब्लिशमेंट है उसने इस सुझाव के ऊपर हम लोगों को मदद दी है और यह आशा की जाती है कि उनको इतना तजुर्बा और इतनी काब्लियत हासिल है कि जो काम हारबैल में होगा उसको ठीक तरह से देख सकें और उसका पूरा पूरा फ़ायदा उठाया जा सके।

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भिखारी आदि

***८२८. श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भिखारी और बिना लायसेंस के पोर्टर अभी भी आज़ादी से अपना पेशा चला रहे हैं ; और

(ख) क्या स्टेशनों से भिखारियों और बिना लायसेंस के पोर्टरों को हटाने के लिये सरकार द्वारा किये गये उपायों की सफलता के बारे में कोई जांच कराई गई है ; यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं ?

+CBEGGAKS ETC. AT THE DELHI RAILWAY STATION

*828. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that beggars and unlicensed porters still carry on their occupation freely at the Delhi Railway Station; and

(b) whether any enquiry has been made as to the success of the steps taken by Government for the elimination of beggars and unlicensed porters at stations, and if so, what-are the results thereof?]

रेल उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) : (क) कुछ भिखमंगे और बिना लाइसेंस वाले भारिक (porters) नाजायज रास्तों से दिल्ली स्टेशन में घुस जाते थे, और वहां अपना काम करते थे। लेकिन रेलवे पुलिस की मदद से उन्हें हटाने के लिये जो संगठित कार्रवाई की गयी, उसकी वजह से उनकी तादाद अब बहुत कम हो गयी है।

(ख) भिखमंगों और बिना लाइसेंस वाले भारिकों को स्टेशनों से हटाने की कार्रवाई जारी है, लेकिन इस बात की जांच नहीं की

†[ ] English translation.

गयी है कि इस काम में कितनी कामयाबी मिली है ।

UTHE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) Some beggars and unlicensed porters obtained access, through unauthorised entrances, to the Delhi Railway Station and carried on their occupation. But as a result of the organized drives conducted with the assistance of the Government Railway Police, their number has been •considerably reduced.

(b) While steps continue to be taken for the elimination of beggars and unlicensed porters from stations, no enquiry as such has been undertaken to assess the success achieved.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी को यह मालूम है कि दिल्ली के ही स्टेशन के भीतर, इस ड्राइव के बावजूद, अब भी बिल्कुल आजादी के साथ भिखमंगे भीख मांगते हैं । पहले तो रेलवे पुलिस के आदमी भी प्लेटफार्म पर फिरते नजर आते थे, लेकिन अब एक भी आदमी उस जगह नजर में नहीं आता है जो कि उनको पकड़े ।

श्री शाहनवाज खां : जी, यह बात मानने को मैं तैयार हूं कि अभी भी कुछ भिखमंगे स्टेशनों में घुस आते हैं । हमारे भिखमंगों का सवाल बहुत मुश्किल है । कुछ चंद महीनों में हम ने ६०० से ऊपर भिखमंगे गिरफ्तार किये थे, उनको पकड़ कर बाहर ले गये और जेल भेज दिया । जेल में उनको मुफ्त में खाने को, रहने को मिल जाता है और जब जेल से छूटते हैं तो फिर अपनी जगह वापस आ जाते हैं । और हमारी बदकिस्मती यह है कि जो मुसाफिर हैं, यात्री हैं, उनकी हमदर्दी इनके साथ है । वे इनको इनकरेज करते हैं जिससे वे ज्यादा स्टशनों पर जमा होते हैं ।

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIG AM: Just now the hon. Deputy Minister replied that he was taking various sieps. May I know, Sir, what are those steps other than arresting these people and getting them imprisoned for a few days after which they again come out and become a nuisance as before?

†[1 English translation.

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: I am sure the hon. Members will agree with me that the remedy lies in other sources than the railways. The Home Ministry, I believe, have a scheme for opening beggar homes, and I hope, when they open a beggar home in Delhi, they will put them there.

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: Is the hon. Minister aware, Sir, that a number of these beggars are not only begging at the stations but they also travel by trains and beg from station to station?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Sir, 1 am fully aware of it. Not only that; apart from begging by travelling on trains they also indulge in other very undesirable activities, pickpocketing and that sort of thing. We are aware of it all.

SHRIMATI T. NALLAMUTHU RAMAMURTI: Is it not a fact that, in spite of the Minister's reply that the Railway Police have brought about a reduction in the number of beggars, almost at every station that I have passed through, travelling by the Grant Trunk Express, there are beggars still pestering the passengers, not only beggars hale and healthy and hearty but also diseased persons who are a menace, and may I know, Sir, whether steps are being taken seriously?

MR. CHAIRMAN: She suspects that you are going slow in this matter.

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Sir, we have been issuing directives from time to time to the Railway Administration to tighten up the measures, but the difficulty is that when we throw them out, they come back again.

श्री तजम्मुल हुसैन : आनरेबल मिनिस्टर ने अभी फर्माया है कि उनकी कुछ कार्रवाई से स्टेशनों पर बेगर्स की तादाद बहुत कम हो

गई है । मगर मेरा यह पर्सनल एक्सपीरियेंस है, श्रोर शायद हर मैम्बर का यह एक्सपीरियेंस होगा कि वह कम नहीं हुई है बल्कि बहुत बढ़ गई । बेगर बहुत ज्यादा हो गये हैं ओर वे लोग न्यूसेंस हो रहे हैं श्रौर यही नहीं . . .

MR. CHAIRMAN: Put a question. SHRI

TAJAMUL HUSAIN: I am putting. मैंने रेलवे स्टाफ को कहा कि उनको हट श्रो, लेकिन वे लोग कुछ नहीं करते हैं । यहां तक कि मेरा पर्सनल एक्सपीरियेंस है कि लास्ट टाइम जब हम ट्रैवल कर रहे थे, एक मेम्बर—इसी हाऊस के—बेगर्स को एनकरेज कर रहे थे । मैंने जब उनको मना किया तो मुझसे बहुत रंजीदा हो गये ।

I am putting a question, Sir, just mow. How would the hon. Deputy Minister explain what I have said just •now?

MR. CHAIRMAN: Order, order. You *have to explain what you have said.

श्री हीरा वल्लभ त्रिपाठी : क्या यह सही :है कि मर्ज़ बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की ?

श्री शाहनवाज़ खां : यह सही नहीं है ।

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIG AM: May I know, Sir, keeping in view the present difficulties the Railway-Administration is facing, if the Railway Administration has ever approached the Home Ministry to find out a permanent solution to this ; problem?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: Yes, Sir, very much so; many times.

SHRI D. A. MIRZA: The hon. Minister says that the beggars are thrown out and yet they come back. May I know, Sir, then from him what this Railway Protection Force is there for?

SHRI SHAH NAWAZ'KHAN: The duties of the Railway Protection Force are to safeguard the railway property.

MR. CHAIRMAN: The Railway Protection Force is to protect the property of the railways, and if these beggars interfere with that, then you take action. So long as they are behaving decently you tolerate them. We are a kindly people; we do not always take action even when crimes are brought to our attention.

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: May I know if this Railway Protection Force has anything to do with the consumers and with the travellers?

SHRI SHAH NAWAZ KHAN: The maintenance of law and order within the station premises is the responsibility of the Government Railway Police and they take necessary steps.

DR. R. B. GOUR: The hon. Minister said that when the beggars are thrown out they come back. In view of that, will the Government consider the proposition of sending them to some outlying islands off our shores?

(Interruptions.)

(No reply)

*829. *[The questioner (Shri Maheswar Naik) was absent. For answer,* vide cols. 4734-35 infra.]

MEMORANDUM FROM THE MALABAR HOTEL WORKERS UNION, WILLINGDON NISLAND, COCHIN

*830. SHRI N. C. SEKHAR: Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have recently received any memorandum from the Malabar Hotel Workers I Union, Willingdon Island, Cochin; and